



**The Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) (Amendment) Act,  
2002**

*Act 19 of 2002*

**Keyword(s):**  
Election, Affidavit

**Amendments appended: 6 of 2003, 12 of 2005, 8 of 2007, 4 of 2008**

**DISCLAIMER:** This document is being furnished to you for your information by PRS Legislative Research (PRS). The contents of this document have been obtained from sources PRS believes to be reliable. These contents have not been independently verified, and PRS makes no representation or warranty as to the accuracy, completeness or correctness. In some cases the Principal Act and/or Amendment Act may not be available. Principal Acts may or may not include subsequent amendments. For authoritative text, please contact the relevant state department concerned or refer to the latest government publication or the gazette notification. Any person using this material should take their own professional and legal advice before acting on any information contained in this document. PRS or any persons connected with it do not accept any liability arising from the use of this document. PRS or any persons connected with it shall not be in any way responsible for any loss, damage, or distress to any person on account of any action taken or not taken on the basis of this document.



# सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट  
भाग-1, खण्ड (क)  
(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, शनिवार, 21 दिसम्बर, 2002 ई०  
अग्रहायण 30, 1924 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या. 456/विधायी एवं संसदीय कार्य/2002  
देहरादून, 21 दिसम्बर, 2002

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (संशोधन) अधिनियम, 2002 को दिनांक 21-12-2002 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल अधिनियम संख्या 19, सन् 2002 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (संशोधन)  
अधिनियम, 2002  
(अधिनियम संख्या 19, वर्ष 2002)

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण  
आदेश, 2002 में अग्रेत्तर संशोधन के लिये-

अधिनियम

भारत के गणराज्य के तिरपनवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

- (i) यह अधिनियम उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (संशोधन) अधिनियम, 2002 कहा जायेगा।
- (ii) यह सम्पूर्ण उत्तरांचल में लागू होगा।
- (iii) यह तत्काल से प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

1. संक्षिप्त नाम,  
प्रारम्भ और  
विस्तार

2. उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959, की धारा 6 का संशोधन
- उत्तर प्रदेश नगरनिगम अधिनियम, 1959 (जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है), की धारा 6 (1)(क) में शब्द "साठ" के स्थान पर शब्द "बीस" तथा शब्द "एक सौ दस" के स्थान पर शब्द "पैंतालिस" रख दिया जायेगा ;
3. धारा 7(1) का संशोधन
- मूल अधिनियम की धारा 7(1) के प्रथम प्रतिबन्धात्मक खण्ड में शब्द "सत्ताईस" के स्थान पर शब्द "चौदह" रख दिया जायेगा ;
4. धारा -24 का संशोधन
- मूल अधिनियम की धारा 24 में निम्नलिखित खण्ड (घ) बढ़ा दिया जायेगा :-  
 "(घ) वह एक से अधिक वार्ड के लिये अभ्यर्थी न हो ;"
5. धारा 25(1) का संशोधन
- मूल अधिनियम की धारा 25(1) खण्ड (ट) के बाद निम्नलिखित धारा बढ़ा दिये जायेंगे :-
- (ड) "उसकी दो से अधिक जीवित संतान है जिनमें से एक का जन्म इस धारा के प्रवृत्त होने की तिथि के 300 दिवस के पश्चात हुआ है ;" या
- (ड) "महिला के विरुद्ध किसी अपराध का दोष सिद्ध ठहराया गया है ;" या
- "(ढ) किसी ऐसे समाचार-पत्र में, जिसमें नगरपालिका के कार्यकलापों से सम्बन्धित कोई विज्ञापन दिया जा सकता है, अंश या हित रखता है ;" या
- "(ण) किसी ऐसी संस्था जो नगरपालिका से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त कर रही है, का वैतनिक कर्मचारी है ;" या
- "(त) यदि वह या उसके परिवार का सदस्य या उसका कानूनी वारिस नगर पालिका के स्वामित्व या प्रबन्धन की भूमि या भवन या सार्वजनिक सड़क या पटरी, नाली, नाला पर अनाधिकृत कब्जा करता है अथवा किसी ऐसे अनाधिकृत कब्जे से किसी प्रकार का लाभ प्राप्त करता है ;" या
- "(थ) नगरपालिका के किसी भी कर्मचारी संवर्ग या वर्ग के संघ या यूनियन का प्रतिनिधि या पदाधिकारी है ;" या
- "(द) नगरपालिका के अधिनियम, नियम, उपविधियां, विनियम, शासनादेश का उल्लंघन करने, नगर पालिका के हितों की उपेक्षा करने का सिद्ध दोषी ठहराया गया हो "

6. धारा 44 का संशोधन

मूल अधिनियम की धारा 44 में शब्द "मत गूढ शलाका" के बाद शब्द "अथवा वोटिंग मशीन" रख दिया जायेगा ;

7. धारा 45 में एवं नई उपधारा(3) का बढ़ाया जाना

मूल अधिनियम की धारा 45 में निम्नलिखित उपधारा(3) बढ़ा दी जायेगी :-  
 "(3) राज्य निर्वाचन आयोग सभी निर्वाचनों में प्रत्येक प्रत्याशी से नामांकन पत्र के साथ उसकी पृष्ठभूमि के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचनाओं के साथ अन्य सूचनायें जैसा आवश्यक समझे, का शपथ पत्र के साथ घोषणा पत्र प्राप्त करेगा और मतदाताओं को उसकी जानकारी कराने के लिये खण्ड (ग) तथा (ड) की सूचनाओं को छोड़कर प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित करायेगा :-

(क) क्या वह अतीत में किसी अपराधिक मामलों में दोषी पाया गया है ? दोष मुक्त हुआ है ? आरोप से उन्मोचित हुआ है ? या दोषी पाये जाने की स्थिति में उसे दण्ड या अर्धदण्ड से दण्डित किया गया है ?

- (ख) नामांकन भरने से छः माह पूर्व क्या अभ्यर्थी किसी ऐसे लम्बित मामले में अभियुक्त रहा है जिसमें दो वर्ष या अधिक की सजा हो सकती है, व मामले में आरोप निर्धारित हो चुके हों या न्यायालय ने सजा लिया हो, का विवरण ;
- (ग) वह और उसके पति या पत्नी तथा आश्रितों की चल, अचल सम्पत्तियों, बैंक बैलेंस आदि से सम्बन्धित पूर्ण सूचना ;
- (घ) उस पर देनदारियों विशेषकर उसके द्वारा किसी सार्वजनिक वित्तीय संस्थान या सरकार की अवशेष राशि का समय से भुगतान न करने की दशा में, उसका पूर्ण विवरण ;
- (ङ) उसकी आय के साधन तथा वर्तमान मासिक/वार्षिक आय का पूर्ण विवरण ;
- (च) वह विवाहित अथवा अविवाहित ;
- (छ) उसके कुल बच्चों की संख्या और उनकी आयु व शिक्षा पर व्यय का विवरण ;
- (ज) उसकी आयकर तथा भूमि - भवनकर, प्रक्षेपकर/शुल्क के रूप में भुगतान की जाने वाली वार्षिक धनराशि का पूर्ण विवरण ;
- (झ) उसकी शैक्षिक योग्यता का विवरण ;

मूल अधिनियम की धारा 177 में :-

(क) उपधारा (ग) के स्थान पर निम्नांकित उपधारा रख दी जायेगी :-

“(ग) भवन जो एक मात्र स्कूल और कालेजों के रूप में प्रयुक्त होते हैं, तथा राज्य सरकार के स्वामित्व में हो ”

(ख) उपधारा (ज) निकाल दिये जायेंगे ।

8. धारा 177  
का संशोधन

(1) उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम-1959 (संशोधन) अध्यादेश, 2002 एतद्वारा निरस्त किया जाता है ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम-1959 के उपबन्धों के अधीन कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा यथासंशोधित उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेगी मानो इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारवान समय पर प्रवृत्त थे ।

9. निरसन  
और  
अपवाद

आज्ञा से,  
(यू० सी० ध्यात्री)  
अपर सचिव।

No. 456/Midhayee And Sansadiya Karya/2002

Dated Dehradun, December 21, 2002

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) (Amendment) Act, 2002 (Uttaranchal Adhinyam Sankhya 19 of 2002).

As passed by the Uttaranchal Legislative Assembly and assented by the Governor on December 21, 2002.

THE UTTARANCHAL (UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ACT, 1959)  
(AMENDMENT) ACT, 2002

(Act No. 19 Of 2002)

AN

ACT

*To further amend the Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959 in it's application in Uttaranchal.*

1. Short title,  
Extent and  
Commencement.

It is HEREBY enacted in the Fifty-third year of the Republic of India as follows :-

- (i) This Act may be called Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) (Amendment) Act, 2002.
- (ii) It extends to the whole of Uttaranchal.
- (iii) It shall be deemed to have come into force at once.

2. Amendment  
of Sec. 6(1)(a)  
of the Uttar  
Pradesh Nagar  
Nigam  
Adhiniyam,  
1959

In section 6(1)(a) of the Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959 (hereinafter referred to as the "Principal Act") the word "Sixty" shall be substituted by the word "Twenty" and the word "One Hundred Ten" shall be substituted by the word "Forty-five".

3. Amendment  
of the first  
proviso of  
section 7

The first proviso of Section 7 (1) of the Principal Act, the word "Fourteen" shall be substituted for the word "Twenty-seven".

4. Insertion  
of a new sub-  
section 24(d)

After section 24 (c) of the Principal Act a new sub-section 24 (d) shall be inserted :-

- (d) He is not a candidate from more than one ward.

5. Insertion of  
a new sub-  
section 25(1)

After the sub-section (k) of section 25 (1) in the Principal Act, following shall be added :-

- (l) He has more than two living children of whom one is born after expiry of 300 days from the date of notification of this part; or,
- (m) has been convicted of any offence against a woman ? or,
- (n) has an interest or share, in a publication where in advertisement regarding activities of the municipalities can be published ? or,

- (o) is a paid employee of any institution, receiving financial aid from the municipalities ? or,
- (p) the person or any member of his/her family or his/her legal heir is in unauthorized occupation of any land or building owned or managed by the municipality/ Government or a public road or pavement, canal, drain, or is a beneficiary of such unauthorized occupation ; or,
- (q) is a representative or office bearer of any federation or union of any cadre or class of employees of the municipality ; or
- (r) has been convicted of any offence involving violation of any Act, Rules, Sub-rules, regulations and Govt. orders relating to Municipality and has been found guilty of working against the interest of the municipality.

In section-44 of the Principal Act the words "or voting Machine" shall be added after the work "secret ballot"

6. Amendment of section-44

In section 45 of the Principal Act, sub-section (3) shall be added :

7. Added of a new sub-section(3) of section 45

(3) State Election Commission shall obtain from all the candidates a declaration in the form of an affidavit containing the following information and any other information it deems necessary and shall, except information contained in clause (c) and (e), publish the same in the major daily newspapers for the information of the electorate.

- (a) Whether the candidate has been convicted/acquitted/discharged of any criminal offence in the past and, if convicted, whether he was punished with imprisonment or fine ?
- (b) Prior to six months of filing of nomination, whether the candidate is accused in any pending case, of any offence punishable with imprisonment for two years or more, and in which charge is framed or cognizance is taken by the Court of law. If so, the details thereof.
- (c) The assets (immovable, movable, bank balances etc.) of a candidate and of his/her spouse and, that of dependants.
- (d) Liabilities, if any, particularly whether there are any over dues, of any public Financial Institutions or Government dues.
- (e) His/her source of income and full details of present Monthly/Annual Income.
- (f) Whether he/she is married/unmarried.
- (g) Number of Children, their ages, and their educational expenses.
- (h) Details of his/her income tax; house tax; projections tax/fees payable annually.
- (i) The educational qualifications of candidate.

In section-177 of the Principal Act :-

- (a) In place of sub-section (a) the following sub-section shall be substituted :-
- "(c) Building solely used as school and colleges and owned by Government"
- (b) Clause(h) shall be omitted.

8. Amendment of Section-177

Repeal  
and  
savings

- (1) The Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959)(Amendment) ordinance-2002 is hereby repealed.

Uttaranchal  
ordinance  
no.4 of  
2002

- (2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the corresponding provisions of the Uttar Pradesh Nagar Nigam Act 1959 as amended by the ordinance referred to in sub-section(1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the Uttar Pradesh Nagar Nigam Act 1959 as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all Material times.

By Order,

(U. C. DHYANI)

Addl. Secy.



# सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट  
भाग-1, खण्ड (क)  
(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, मंगलवार, 27 मई, 2003 ई0  
ज्येष्ठ 06, 1925 शक सम्वत्

### उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 178/विधायी एवं संसदीय कार्य/2003  
देहरादून, 27 मई, 2003

### अधिसूचना

#### विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 02 (संशोधन) विधेयक, 03 पर दिनांक 16-04-03 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल अधिनियम संख्या 06, सन् 2003 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं  
उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2003  
(उत्तरांचल अधिनियम सं0 06, वर्ष 2003)

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण  
आदेश, 2002 में अग्रत्तर संशोधन करने के लिये अध्यादेश का प्रतिस्थानी

### अधिनियम

भारत गणराज्य के चौवनवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

1. (1) यह अधिनियम उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959)  
अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2003 कहा जायेगा।

संक्षिप्त नाम,  
एवं प्रारम्भ



(2) यह सम्पूर्ण उत्तरांचल राज्य में लागू होगा।

(3) यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

मूल अधिनियम की  
धारा 44 उपधारा (3)  
में संशोधन

2. उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 44 की उपधारा (3) निम्नवत् संशोधित की जाती है :-

राज्य निर्वाचन आयोग सभी निर्वाचनों में प्रत्येक प्रत्याशी से नामांकन-पत्र के साथ उसकी पृष्ठभूमि के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचनाओं के साथ अन्य सूचनाएं, जैसा आवश्यक समझे, का शपथ-पत्र के साथ घोषणा-पत्र प्राप्त करेगा और मतदाताओं को उसकी जानकारी कराने के लिये खण्ड (ग) तथा (ङ) की सूचनाओं को छोड़कर सार्वजनिक करायेगा।

उत्तरांचल अध्यादेश  
सं० 2, सन् 2003  
का निरसन

3. (1) उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2003 एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा यथा संशोधित उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेगी मानों इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारवान समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,

भरोसी लाल,  
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhinyam, 1959) Adaptation & Modification Order, 02 (Amendment) Bill, 2003 (Uttaranchal Adhinyam Sankhya 06 of 2003) for general information :

No. 178/Vidhayee and Sansadiya Karya/2003

Dated Dehradun, May 27, 2003

NOTIFICATION

Miscellaneous

As passed by the Uttaranchal Legislative Assembly and assented to by the Governor on April 16, 2003.

THE UTTARANCHAL (THE UTTAR PRADESH NAGARNIGAMADHINIYAM, 1959)  
ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002 (AMENDMENT) ACT, 2003  
(UTTARANCHAL ACT No. 06 OF 2003)

AN  
ACT

A replacing Bill further to amend the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhinyam, 1959) Adaptation & Modification Order, 2002.

It Is HEREBY enacted in the Fifty-fourth Year of the Republic of India as follows:--

Short title &  
Commencement

1. (1) This Act may be called the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhinyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002, (Amendment) Act, 2003.

(2) It shall come into force at once.

2. Sub-section (3) of Section 44 of the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Amendment) Act, 2002 (hereinafter referred to as the "Principal Act") shall be deemed to be amended as follows :--

State Election Commission shall obtain from all candidates a declaration in the form of an affidavit containing the following information and any other information it deems necessary and shall, except information contained in Clause(c) and (e), make public the same for the information of the electorate.

3. (1) The Uttaranchal (The Uttar Pradesh, Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Second amendment) Ordinance, 2003 (The Uttaranchal Ordinance no. 02 of 2003) is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the corresponding provisions of the Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

Amendment of Sub-section(3) of 45 of the Uttaranchal (Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation & Modification Order, 2002  
Repeal of Uttaranchal Ordinance no. 2 of 2003

By Order,  
BHAROSI LAL,  
Secretary.



# सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट  
भाग-1, खण्ड (क)  
(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 जनवरी, 2005 ई0  
माघ 11, 1926 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 423/विधायी एवं संसदीय कार्य/2005  
देहरादून, 31 जनवरी, 2005

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2005 पर दिनांक 29 जनवरी, 2005 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल अधिनियम संख्या 12, सन् 2005 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं  
उपान्तरण आदेश, 2002 (तृतीय संशोधन) अधिनियम, 2005

(उत्तरांचल अधिनियम सं0 12, वर्ष 2005)

[भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में उत्तरांचल विधान सभा द्वारा अधिनियमित]

उत्तरांचल: (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में अग्रोत्तर संशोधन के लिये

### अधिनियम

संक्षिप्त नाम

1-यह अधिनियम उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (तृतीय संशोधन) अधिनियम, 2005 कहा जायेगा।

उत्तरांचल (उ०प्र०)  
नगर निगम  
अधिनियम, 1959)  
अनुकूलन एवं  
उपान्तरण आदेश  
2002 की धारा 15  
में संशोधन

2-उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (जिसे यहां मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 15 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिये जायेंगे, अर्थात्-

“(ख) उपनगर प्रमुख की पदावधि उसके निर्वाचन के दिनांक से दो वर्ष और छः माह या सभासद के रूप में शेष कार्यकाल के लिये, जो भी कम हो, होगी।

(ग) खण्ड (ख) के उपबन्ध ऐसे किसी उपनगर प्रमुख पर भी लागू होंगे जो गत निर्वाचन में निर्वाचित घोषित किये गये हों।”

मूल अधिनियम की  
धारा 16 में संशोधन

3-मूल अधिनियम की धारा 16 के स्थान पर निम्न रख दिया जायेगा :-

अर्थात् :-

“(1) जहां राज्य सरकार का यह विश्वास करने का कारण हो कि-

(क) नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख की तरफ से अपने कर्तव्यों के निष्पादन में कोई चूक हुई है;

(ख) नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख ने-

(एक) धारा 11 और 25 में उल्लिखित कोई अनर्हता उपगत कर ली है; या

(दो) धारा 463 के अर्थान्तर्गत निगम के साथ उसके द्वारा या उसकी ओर से किसी संविदा या सेवायोजन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से या किसी भागीदार द्वारा कोई अंश या हित, चाहे धन सम्बन्धी हो या किसी अन्य प्रकार का हो, जान-बूझकर अर्जित किया है; या

(तीन) जान-बूझकर किसी ऐसे मामले में, जिसमें उसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से या किसी भागीदार द्वारा कोई अंश या हित हो, चाहे व धन सम्बन्धी हो या किसी अन्य प्रकार का हो या जिसमें किसी मुवकिल, मालिक या अन्य व्यक्ति की ओर उसका वृत्तिक रूप में निहित था, या नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख या सभासद के रूप में जान-बूझकर किसी ऐसे मामले में, कार्य किया है, या

(चार) निगम के प्रबन्ध में सौंपी गयी किसी नजूल भूमि के सम्बन्ध में किसी वाद या अन्य विधिक कार्यवाही में किसी व्यक्ति की ओर से नगर निगम के विरुद्ध या राज्य सरकार के विरुद्ध विधि व्यवसायी के रूप में कार्य किया है या उपस्थित हुआ है या किसी ऐसे व्यक्ति के लिए या उसकी ओर से जिसके विरुद्ध नगर निगम द्वारा या उसकी ओर से कोई आपराधिक कार्यवाही संस्थित की गई हो, कार्य किया है या उपस्थित हुआ है; या

(पांच) नगर निगम के नगर पालिका क्षेत्र में अपने सामान्य निवास स्थान को परित्याग कर दिया है; या

(छः) अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अद्वार का दोषी रहा है; या

(सात) निगम के चालू या पूर्ववर्ती कार्यकाल में नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख के रूप में या किसी अवधि के समाप्ति या सभासद के रूप में या किसी अन्य हैसियत से, चाहे जो भी हो, कार्य करते हुए अपने पद का इतना घोर दुरुपयोग किया है, या इस अधिनियम के किसी उपबन्ध या किसी नियम, विनियम या उपविधि का जान-बूझकर उल्लंघन किया है, या निगम की निधि या सम्पत्ति को ऐसी हानि, या क्षति पहुंचायी है जो उसे नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख बने रहने के अयोग्य बना देती है; या

(आठ) किसी अन्य अवचार का दोषी है चाहे ऐसा अवचार उसने नगर प्रमुख के रूप में या उपनगर प्रमुख के रूप में या समासद के रूप में किया हो; या

(नौ) निगम के हित के प्रतिकूल कार्य किया है; या

(दस) निगम की किसी बैठक में इस प्रकार से बाधा उत्पन्न की है या किसी निगम का उस बैठक का कार्य संचालन असंभव हो जाये या ऐसा करने के लिए किसी को दुष्प्रेरित किया है; या

(ग्यारह) इस अधिनियम के अधीन दिये गये राज्य सरकार के किसी आदेश या निर्देश का जान-बूझकर उल्लंघन किया है; या

(बारह) निगम के अधिकारियों या कर्मचारियों के साथ बिना किसी न्यायोचित कारण के, दुर्व्यवहार किया है; या

(तेरह) निगम की किसी सम्पत्ति का उसके बाजार मूल्य से कम मूल्य पर व्ययन किया है; या

(चौदह) निगम की भूमि, भवन या किसी अन्य अचल सम्पत्ति पर अतिक्रमण किया है, या किसी अन्य व्यक्ति की अतिक्रमण करने में सहायता की है, या दुष्प्रेरित किया है तो वह उससे नोटिस में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या कारण बताने की अपेक्षा कर सकेगी कि क्यों न उसे पद से हटा दिया जाये।

(2) राज्य सरकार, नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण पर विचार करने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझे, कारणों को अभिलिखित करते हुए नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख को उसके पद से हटा सकेगी।

(3) उपधारा (2) के अधीन राज्य सरकार द्वारा किया गया कोई आदेश अन्तिम होगा और उस पर किसी न्यायालय में आपत्ति नहीं की जायेगी।

(4) उपधारा (2) के अधीन हटाया गया नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख, समासद भी नहीं रह सकेगा और उपधारा (1) के खण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित किसी आधार पर हटाये जाने की दशा में अपने हटाये जाने के दिनांक से पाँच वर्ष की अवधि तक नगर प्रमुख या उपनगर प्रमुख के रूप में पुनर्निर्वाचन का पात्र नहीं होगा।"

4-मूल अधिनियम की धारा 51 में,-

(क) उपधारा (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायेगी, अर्थात्-

"(2) उपनगर प्रमुख कार्यकारिणी समिति का पदेन उपसमापति होगा।"

(ख) उपधारा (3) निकाल दी जायेगी।

मूल अधिनियम  
की धारा 51 में  
संशोधन

आज्ञा से,

आई० जे० मल्होत्रा,  
प्रमुख सचिव।

No. 423/Vidhayee & Sansadiya Karya/2005

Dated Dehradun, January 31, 2005

NOTIFICATION

Miscellaneous

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Third Amendment) Bill, 2005 (Uttaranchal Adhinyam Sankhya 12 of 2005).

As passed by the Uttaranchal Legislative Assembly and assented to by the Governor on January 29, 2005.

THE UTTARANCHAL (THE UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ACT, 1959) (ADAPTATION & MODIFICATION ORDER, 2002) (THIRD AMENDMENT) ACT, 2005  
(THE UTTARANCHAL ACT No. 12 OF 2005)

[Enacted by the Uttaranchal Legislative Assembly in the Fifty-fifth Year of the Republic of India]  
Further to amend the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002

AN  
ACT

## Short Title

1. This Act may be called the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) Adaptation & Modification Order, 2002 (Third Amendment) Act, 2005.

Amendment of Section 15 of the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959)

2. In clause (b) of sub-section (1) of section 15 of the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Act, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (hereinafter referred to as Principal Act) following clauses shall be substituted, namely—

“(b) the term of office of Deputy Mayor shall be for period of two years and six months from the date of his election or the residue of his term as a Corporator, whichever is less.

(c) The provisions of clause (b) shall also apply to a Deputy Mayor, who is declared elected in his last election.”

Amendment of Section 16 of the Principal Act

3. In Section 16 of the Principal Act the following shall be substituted namely—

Removal of Mayor and Deputy Mayor

(1) Where the State Government has reason to believe that—

(a) There has been any default on the part of the Mayor or Deputy Mayor in the discharge of his duties;

(b) The Mayor or Deputy Mayor has—

(i) Acquired any disqualification mentioned in section 11 and 25; or

(ii) Intentionally earned any share or interest, whether financial or otherwise, directly or indirectly by him or on his behalf or by any partner in any contract with the Nagar Nigam or any employment in the Nagar Nigam under section 463; or

(iii) As a Mayor or Deputy Mayor or Corporator intentionally worked in any such matter in which he or his partner has directly or indirectly has any share or interest, whether financial or otherwise or had professional interest on behalf of any client, owner or any other person; or

(iv) Against the Nagar Nigam or the State Government attended as a Lawyer and worked on behalf of any individual in any suit or other legal proceedings in connection with any nazul land under the management of the Nagar Nigam, worked or attended any criminal proceeding on behalf of any such person against whom any criminal proceeding has been instituted by him or the Nagar Nigam; or

(v) Has vacated his usual place of residence under municipal area of the Nagar Nigam, or

(vi) Has been guilty of misconduct in discharge of his duties; or

(vii) Has grossly misused his office as Mayor or Deputy Mayor during the current or earlier term of the Nagar Nigam acting as Chairman or Corporator or in any other capacity whatsoever, during any period or intentionally acted in contravention of any provision of this Act, or any rule, regulation or bylaw or caused such damage or loss to the fund or the property of the Nagar Nigam which disqualifies him to continue as Mayor or Deputy Mayor; or

(viii) He is guilty of any other misconduct whether such act has been done as a Mayor or Deputy Mayor or Corporator; or

(ix) Has acted against the interest of the Nagar Nigam; or

(x) Has obstructed any meeting of the Nagar Nigam in such manner that the conduct of the meeting becomes impossible or abetted any one to do so; or

(xi) Has intentionally acted in contravention of any order or direction of the State Government issued under this Act; or

(xii) Misbehaved with the officers or employees of the Nagar Nigam without any valid reason; or

(xiii) Disposed of any property of the Nagar Nigam for a price less than its market value; or

(xiv) Encroached upon any land, building or any other immovable property of the Nagar Nigam or assisted or abetted any other person for such an encroachment.

The State Government any require him to show cause within the period specified in the notice that why he should not be removed from his post.

(2) The State Government after considering the explanation submitted by the Mayor or Deputy Mayor or after such inquiry as may be deemed necessary recording the reasons may remove the Mayor or Deputy Mayor from such post.

(3) Any order issued by the State Government under sub-section (2) shall be final and no objection shall be raised against it in any court of law.

(4) The Mayor or Deputy Mayor removed under sub-section (2) shall not remain even as Corporator and shall not be eligible for re-election a Mayor or Deputy Mayor for a period of 5 years from the date of his removal on any ground under clause (a) and (b) of sub-section (1).

4. In section 51 of the Principal Act :--

(a) The following sub-section shall be substituted for sub-section (2), namely--

"(2) The Deputy Mayor shall be ex-officio Chairman of the Executive Committee."

(b) Sub-section (3) shall be omitted.

Amendment of  
Section 51 of  
the Principal Act

By Order,

I. J. MALHOTRA,  
Principal Secretary.







# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तराखण्ड अधिनियम)

देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 दिसम्बर, 2007 ई०

अग्रहायण 15, 1929 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 1201/XXXVI(4)/2007

देहरादून, 06 दिसम्बर, 2007

### अधिसूचना

#### विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तराखण्ड विधान सभा द्वारा पारित उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) विधेयक, 2007 पर दिनांक 03 दिसम्बर, 2007 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तराखण्ड का अधिनियम संख्या 08, वर्ष 2007 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं  
उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2007

(उत्तराखण्ड अधिनियम सं० 08, वर्ष 2007)

[भारत गणराज्य के अट्ठावनवें वर्ष में उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा अधिनियमित]

नगर निगमों के निर्वाचन के प्राविधान से सम्बन्धित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 का उत्तराखण्ड के लिए अग्रेत्तर संशोधन करने के लिए

### अधिनियम

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ
1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2007 है।
- (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 6 का संशोधन
2. उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 6 (1) (क) में शब्द "पैतालिस" के स्थान पर "साठ" रख दिया जायेगा।
- निरसन और अपवाद
3. (1) उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अध्यादेश, 2007 एतद्वारा निरसित किया जाता है।
- (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, यह समझा जायेगा कि उपर्युक्त अध्यादेश के अधीन जो कार्य किया गया है या कार्यवाही की गयी है, वह इस अधिनियम के तदनु रूप उपबन्धों के अधीन किया गया है या की गयी है, मानो यह अधिनियम 12 सितम्बर, 2007 को प्रवृत्त हो गया था।

आज्ञा से,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,  
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Act, 2007 (Uttarakhand Adhiniyam Sankhya 08 of 2007).

As passed by the Uttarakhand Legislative Assembly and assented to by the Governor on December 03, 2007.

No. 1201/XXXVI(4)/2007

Dated Dehradun, December 06, 2007

### NOTIFICATION

### Miscellaneous

THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ADHINIYAM, 1959) ADAPTA-TION AND MODIFICATION ORDER, 2002 (AMENDMENT) ACT, 2007

(UTTARAKHAND ACT No. 08 OF 2007)

[Be enacted in the 58<sup>th</sup> Year of the Republic of India by the Uttarakhand Legislature as follows]

Further to amend the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002

AN

ACT

- |   |  |
|---|--|
| <p>1. (1) This Act may be called The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Act, 2007.</p> <p>(2) It shall come into force at once.</p>  | <p>Short Title and Commencement</p>  |
| <p>2. In section 6(1) (a) of The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002, the words "fortyfive" shall be substituted by the word "sixty".</p>   | <p>Amendment of Section 6 of The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002</p> |
| <p>3. (1) The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Ordinance, 2007 is here by repealed.</p> <p>(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the aforesaid ordinance shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act, as if this Act had come into force on September 12, 2007.</p> | <p>Repeal and Savings</p>  |

By Order,

Smt. INDIRA ASHISH,  
Secretary.





# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तराखण्ड अधिनियम)

देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 दिसम्बर, 2007 ई०

अग्रहायण 15, 1929 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 1201/XXXVI(4)/2007

देहरादून, 06 दिसम्बर, 2007

### अधिसूचना

#### विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तराखण्ड विधान सभा द्वारा पारित उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) विधेयक, 2007 पर दिनांक 03 दिसम्बर, 2007 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तराखण्ड का अधिनियम संख्या 08, वर्ष 2007 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं  
उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2007

(उत्तराखण्ड अधिनियम सं० 08, वर्ष 2007)

[भारत गणराज्य के अट्ठावनवें वर्ष में उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा अधिनियमित]

नगर निगमों के निर्वाचन के प्राविधान से सम्बन्धित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 का उत्तराखण्ड के लिए अग्रेत्तर संशोधन करने के लिए

### अधिनियम

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ
1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अधिनियम, 2007 है।
- (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 6 का संशोधन
2. उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 6 (1) (क) में शब्द "पैतालिस" के स्थान पर "साठ" रख दिया जायेगा।
- निरसन और अपवाद
3. (1) उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (संशोधन) अध्यादेश, 2007 एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।
- (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, यह समझा जायेगा कि उपर्युक्त अध्यादेश के अधीन जो कार्य किया गया है या कार्यवाही की गयी है, वह इस अधिनियम के तदनु रूप उपबन्धों के अधीन किया गया है या की गयी है, मानो यह अधिनियम 12 सितम्बर, 2007 को प्रवृत्त हो गया था।

आज्ञा से,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,  
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Act, 2007 (Uttarakhand Adhiniyam Sankhya 08 of 2007).

As passed by the Uttarakhand Legislative Assembly and assented to by the Governor on December 03, 2007.

No. 1201/XXXVI(4)/2007

Dated Dehradun, December 06, 2007

### NOTIFICATION

### Miscellaneous

THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ADHINIYAM, 1959) ADAPTA-TION AND MODIFICATION ORDER, 2002 (AMENDMENT) ACT, 2007

(UTTARAKHAND ACT No. 08 OF 2007)

[Be enacted in the 58<sup>th</sup> Year of the Republic of India by the Uttarakhand Legislature as follows]

Further to amend the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002

AN

ACT

- |   |  |
|---|--|
| <p>1. (1) This Act may be called The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Act, 2007.</p> <p>(2) It shall come into force at once.</p>  | <p>Short Title and Commencement</p>  |
| <p>2. In section 6(1) (a) of The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002, the words "fortyfive" shall be substituted by the word "sixty".</p>   | <p>Amendment of Section 6 of The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002</p> |
| <p>3. (1) The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 (Amendment) Ordinance, 2007 is here by repealed.</p> <p>(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the aforesaid ordinance shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act, as if this Act had come into force on September 12, 2007.</p> | <p>Repeal and Savings</p>  |

By Order,

Smt. INDIRA ASHISH,  
Secretary.



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तराखण्ड अधिनियम)

देहरादून, बृहस्पतिवार, 20 मार्च, 2008 ई0

फाल्गुन 30, 1929 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 1303/XXXVI(4)/2008

देहरादून, 20 मार्च, 2008

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तराखण्ड विधान सभा द्वारा पारित उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 (संशोधन) विधेयक, 2008 पर दिनांक 19 मार्च, 2008 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तराखण्ड का अधिनियम संख्या 04, वर्ष 2008 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959)

(अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं

उपान्तरण आदेश, 2007 (संशोधन) अधिनियम, 2008

(उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 04, वर्ष 2008)

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 का उत्तराखण्ड राज्य के लिये अग्रेतर संशोधन करने के लिये

अधिनियम



भारत गणराज्य के उनसठवें वर्ष में उत्तराखण्ड विधान सभा द्वारा निम्नवत् रूप में अधिनियमित हो:-

संक्षिप्त नाम  
और प्रारम्भ

1-(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 (संशोधन) अधिनियम, 2008 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

धारा 8 में एक  
नई उपधारा 4  
का अन्तःस्थापन

2-उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007, (जिसे यहाँ आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 8 के अन्त में निम्नलिखित एक नई उपधारा बढ़ा दी जायेगी, अर्थात्:-

“(4) जहाँ नगर निगम का कार्यकाल समाप्त हो गया हो, या नये नगर निगम बोर्ड का गठन नहीं हुआ हो, तो नये बोर्ड के गठन तक-

(क) नगर निगम, उसके नगर प्रमुख, उप नगर प्रमुख, वार्ड समिति, कार्यकारिणी समिति, विकास समिति और धारा 5 के खण्ड (ड) के अधीन स्थापित अन्य समितियों की समस्त शक्तियाँ, कार्य और कर्तव्य राज्य सरकार द्वारा इस हेतु नियुक्त अधिकारी (एतदपश्चात् प्रशासक कहा जायेगा) में निहित होंगी और उसके द्वारा प्रयोग, सम्पादन और निर्वहन की जायेगी और प्रशासक, विधि की दृष्टि में, नगर निगम अथवा समिति, जैसा कि परिस्थितियों के अनुसार अपेक्षित हो, समझा जायेगा;

(ख) प्रशासक को ऐसा वेतन एवं भत्ता नगर निगम कोष से देय होगा, जैसा कि राज्य सरकार इस हेतु किसी सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा नियत करे;

(ग) राज्य सरकार, समय-समय पर, गजट में विज्ञप्ति द्वारा, ऐसे आनुषंगिक या प्रासंगिक उपबन्ध, जिसके अन्तर्गत इस अधिनियम के अन्तर्गत किन्हीं उपबन्धों का अनुकूलन, परिवर्तन या परिष्कार करने के भी उपबन्ध शामिल हैं, किन्तु जो तत्त्व पर प्रभाव न डालें, जो उसे इस धारा के प्रयोजन को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक अथवा ईष्टकर हो, बना सकेगी :

किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि इस धारा के अधीन नियुक्त प्रशासक के कार्यकाल की अवधि छः मास या नये बोर्ड के गठन तक, जो भी पहले हो, से अधिक नहीं होगी।”

मूल अधिनियम  
की धारा 24 के  
खण्ड (घ) का  
निरसन

3-मूल अधिनियम की धारा 24 का खण्ड (घ) एतद्वारा निरसित किया जाता है।

धारा 25 में नए  
खण्ड का  
अन्तःस्थापन

4-मूल अधिनियम की धारा 25 के खण्ड (द) के पश्चात् एक नया खण्ड निम्नवत् अन्तःस्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्:-

“(घ) वह एक से अधिक वार्ड के लिए अभ्यर्थी हो,”

मूल अधिनियम  
की धारा 30 का  
निरसन

5-मूल अधिनियम की धारा 30 एतद्वारा निरसित की जाती है।

‘नगरपालिका’  
के स्थान पर  
‘नगर नियम’  
पढ़ा जाना  
निरसन और  
अपवाद

6-उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (संशोधन) अधिनियम, 2002 (अधिनियम सं0 19, वर्ष 2002) में जहाँ-जहाँ शब्द “नगर पालिका” आया है, वहाँ वह शब्द “नगर निगम” पढ़ा जायेगा।

7-(1) उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 (संशोधन) अध्यादेश, 2008 एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम में उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही, इस अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेगी, मानो इस अधिनियम के सभी उपबन्ध सारवान समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,  
श्रीमती इन्दिरा आशीष,  
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007 (Amendment) Bill, 2008 (Uttarakhand Adhiniyam Sankhya 04 of 2008).

As passed by the Uttarakhand Legislative Assembly and assented to by the Governor on 19<sup>th</sup> March, 2008.

No. 1303/XXXVI(4)/2008  
Dated Dehradun, March 20, 2008

NOTIFICATION

Miscellaneous

THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ADHINIYAM, 1959) (ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007 (AMENDMENT) ACT, 2008

(UTTARAKHAND ACT No. 04 OF 2008)

*Further to amend the Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007 for the State of Uttarakhand*

AN

ACT

Be it enacted by the Uttarakhand Legislative Assembly in the Fifty-ninth year of the Republic of India as follows :-

1. (1) This Act may be called the Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007 (Amendment) Act, 2008.

Short Title and Commencement

(2) It shall come into force at once.

2. In the end of section 8 of the Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007, hereinafter referred to as Principal Act, a new sub-section shall be inserted, namely:-

Insertion of new sub-section (4) in section 8

“(4) Where the term of a Nagar Nigam has expired or a new Nagar Nigam Board has not been constituted, then until the due constitution of the new Board-

(a) all powers, functions and duties of the Nagar Nigam, its Mayor, Deputy Mayor, Ward Committee, Executive committee, Development committee and Other Committees, constituted under sub-section (e) of section 5, shall be vested in and be exercised, performed and discharged by an officer appointed in this behalf by the State Government (hereinafter referred to as the Administrator) and he/she shall be deemed in law to be the Administrator, Nagar Nigam, or the Committees, as the occasion may require;

(b) such salary and allowances of the Administrator, as the State Government may, by general or special order in that behalf, fix, shall be paid out of Nagar Nigam Fund;

(c) the State Government may, from time to time by Notification in the Gazette, make such incidental or consequential provisions, which include provisions for adapting, altering or modifying any provision of this Act, without affecting the substance, as may appear to it to be necessary or expedient for carrying out the purpose of this section :

Provided that the term of Administrator, appointed under this section shall not exceed six months or till the constitution of new Nagar Nigam Board, whichever is earlier.”

3. Clause (d) of section 24 of the Principal Act is hereby repealed.

Repeal of clause (d) of section 24 of the Principal Act

Inserting of a new clause in section 25	4. A new clause shall be inserted after clause (r) of sub-section (1) of section 25 of the Principal Act, namely:-- “(s) is a candidate from more than one ward;”
Repeal of section 30 of the Principal Act	5. Section 30 of the Principal Act is hereby repealed.
“Nagar Nigam” to be read instead of “Nagar Palika”	6. In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Amendment) Act, 2002 (Act No. 19 of 2002), wherever the Word “Nagar Palika” occurs, it shall be read as “Nagar Nigam”.
Repeal and savings	7. (1) The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007 (Amendment) Ordinance, 2008 is hereby repealed.  (2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the Principal Act as mentioned by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done/or taken under the corresponding provisions of the Principal Act as amended by this Act as if All the provisions of this Act were in force at all material times.

By Order,

Smt. INDIRA ASHISH,  
Principal Secretary.